ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–९०
दिनांक- शुक्रवार, २६ नवम्बर, २०२१

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय बेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 26.1 एवं 12.3 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 97 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 67 प्रतिशत, हवा की औसत गति 5.0 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 1.6 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 5.5 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 18.2 एवं दोपहर में 26.0 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(27–30 नवम्बर, 2021)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 27–30 नवम्बर, 2021 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान प्रायः साफ तथा मौसम क शुष्क रहने का अनुमान है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 25 से 27 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान का यथावत 13 से 16 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 70 से 80 प्रतिशत तथा दोपहर में 50 से 60 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- औसतन 5 से 7 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से अगले दो दिनों तक पुरवा हवा तथा उसके बाद पछिया हवा चलने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- सिंचित एवं समयकालीन गेहूँ की किस्मों की बुआई किसान भाई १० दिसम्बर तक अवश्य सम्पन्न कर लें। उत्तर बिहार के लिए सिंचित एवं समयकालीन गेहूँ की, डी०बी०डब्लू०-३६, एच०डी०-२८८८, सी०-३०६, आर० डब्लू०-३०१६, के०-८०२७, एच० पी०-१४६३, एच०डी०-२७३३, एच०डी०-२९६७, एच०डी०-२८२४, एच०यू०डब्लू०- २०६ एवं एच०यू०डब्लू०-४६८ किस्में अनुशंसित है। बीज को बुबाई से पहले बेबीस्टीन २.५ ग्राम की दर से प्रति किलोग्राम बीज को उपचारित करें। दीमक से बचाव के लिए क्लोरपायरिफॉस २० ई०सी० दवा का ८ मि०ली० प्रति किलोग्राम बीज की दर से अवश्य उपचारित करें। छिटकबाँ विधि से बुआई के लिए प्रति हेक्टेयर १२५ किलोग्राम तथा सीड ड्रील से पंक्ति में बुआई के लिए १०० किलोग्राम बीज का व्यवहार करें। बुआई पूर्व खेत में १५०-२०० क्विटल कम्पोस्ट, ६० किलोग्राम नेत्रजन, ६० किलोग्राम फॉसफोरस एवं ४० किलोग्राम पोटास प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें।
- रबी मक्का की बुआई इस माह के अन्त तक समाप्त करें। इसके लिए संकर किस्में शक्तिमान १ सफेद, शक्तिमान २ सफेद, शक्तिमान-३ पीला, शक्तिमान ४ पीला, शक्तिमान-५ पीला, राजेन्द्र संकर मक्का १, राजेन्द्र संकर मक्का २ एवं राजेन्द्र संकर मक्का दीप ज्वाला तथा संकुल किस्में- देवकी सफेद, लक्ष्मी सफेद एवं सुआन पीला इस क्षेत्र के लिए अनुशंसित है। खेत की जुताई में १००-१५० क्विंटल कम्पोस्ट, ६० किलोग्रम नेत्रजन, ७५ किलोग्रम फास्फोरस एवं ५० किलोग्रम पोटाश प्रति हेक्टर की दर से व्यवहार करें। बीज दर २० किलोग्रम प्रति हेक्टेयर तथा दूरी ६०x२० से०मी० रखें।
- चना की बुआई के लिए उपयुक्त समय चल रहा है। किसान भाई १० दिसम्बर तक चना की बुआई अवश्य सम्पन्न कर लें। खेत की तैयारी के समय २० किलोग्राम नेत्रजन, ४५ किलोग्राम फॉसफोरस, २० किलोग्राम पोटास एवं २० किलोग्राम सल्फर प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। चना के लिए उन्नत किस्म पूसा-२५६, के०पी०जी०-५९(उदय), के०डब्लू०आर० १०८, पंत जी १८६ एवं पूसा ३७२ अनुशंसित हैं। बीज को बेबीस्टीन २.५ ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। २४ घंटा बाद उपचारित बीज को कजरा पिल्लू से बचाव हेतु क्लोरपाईरीफॉस ८ मि०ली० प्रति किलोग्राम की दर से मिलावें। पुनः ४ से ५ घंटे छाया में रखने के बाद राईजोबीयम कल्चर (पॉच पैकेट प्रति हेक्टेयर) से उपचारित कर बुआई करें। छोटे दानों की किस्मों के लिए बीज दर ७५ से ८० किलोग्रम एवं बड़े दानों के लिए १०० किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा दूरी ३०x१० से०मी० रखें।
- गोभी की फसल में पत्ती खाने वाली कीट (डायमंड बैक मॉथ) की निगरानी करें। इस कीट के पिल्लू गोभी की मध्यवाली पत्तियों तथा सिरवाले भाग को अधिक क्षति पहुँचाती हैं। शुरुआती अवस्था में यह पिल्लू पत्तियों की निचली सतह में सुरंग बनाकर एवं उसके अन्दर पत्तियो को खाता है। इस कीट से वचाव हेतु स्पेनोसेड ४८ इ०सी० दवा एक मि०ली० प्रति ४ लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। अच्छे परिणाम के लिए एक मि०ली० गोन्द प्रति लीटर पानी में डालें।
- चारे के लिए जई तथा बरसीम की बुआई करें। जई के लिए ८० किलोग्राम बीज तथा बरसीम के लिए २० किलोग्राम बीज प्रति हेक्टेयर का व्यवहार करें।
- आलू की रोपाई प्राथमिकता दे कर पूरा करने का प्रयास करें। विगत माह में लगाये गये आलू के पौधों की उॅचाई १५-२० से०मी० हो जाने पर आलू में निकौनी कर मिट्टी चढ़ाने का कार्य करें। आवश्यकतानुसार सिंचाई करे।
- राई की पिछेती किस्में राजेन्द्र अनुकूल, राजेन्द्र सुफलाम एवं राजेन्द्र राई पिछेती की बुआई इस माह के अन्त तक कर लें। राई की फसल जो २० से २५ दिनों की हो गयी है उसमें निकौनी तथा बछनी कर पौधे से पौधे की दुरी १२-१५ से०मी० रखें। आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।
- अक्टुबर माह में बोयी गयी लहसुन की फसल से खर-पतवार की निकासी कर हल्की सिंचाई कम अवधि के अन्तराल में नियमित रुप से करें। फसल में कीट की निगरानी करें।
- विगत माह बोयी गई मटर, राजमा एवं सब्जियों वाली फसलें- बैगन, टमाटर, मिर्च, पत्तागोभी एवं फूलगोभी में निकाई गुराई तथा सिंचाई करें। चने, मटर और टमाटर की फसल में फली छेदक कीट निगरानी करें। कीट से बचाव हेतु फिरोमोन प्रपंश / ३-४ प्रपंश प्रति एकड़ की दर से लगायें। यदि कीट अधिक हो तो बी.टी. नियमन का छिड़काव करे।

आज का अधिकतम तापमानः 25.5 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.0 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 12.5 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.1 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी